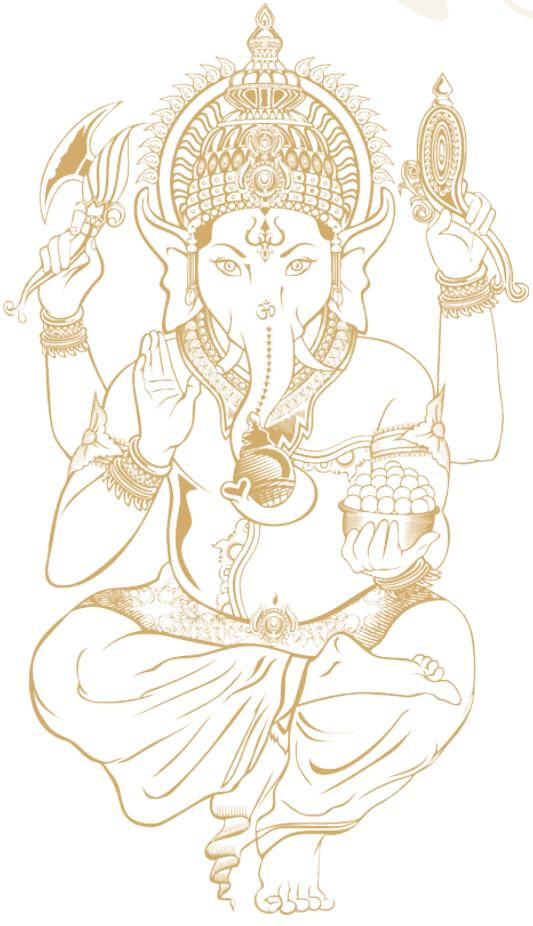

Mr.shiv Kant Mishra

Ms.surjani narjinari

Model: Horoscope-Matching **Order No: 119731701**

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119731701 Date: 11/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/07/1953	जन्म तिथि	24/05/1991
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 10:38:00	जन्म समय	08:38:00 घंटे
घटी 13:22:01	जन्म समय(घटी)	08:39:03 घटी
India	देश	India
Jaunpur	स्थान	Gauhati
25:44:00 उत्तर	अक्षांश	26:10:00 उत्तर
82:41:00 पूर्व	रेखांश	91:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:44	स्थानिक संस्कार	00:37:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:17:11	सूर्योदय	04:37:13
18:52:51	सूर्यास्त	18:06:33
23:12:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:27
कन्या	लग्न	कर्क
बुध	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
सिंह	राशि	कन्या
सूर्य	राशि-स्वामी	बुध
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	हस्त
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
1	चरण	3
व्यतिपात	योग	सिद्धि
विष्टि	करण	विष्टि
मो-मोहन	जन्म नामाक्षर	ण--
कर्क	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	महिष
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	श्वान

Narayan Jyotish Sanathan
+919868145834
mishrashivkant@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 16वर्ष 7मा 17दि		08:59:29	कन्या	लग्न	कर्क	04:41:32	चन्द्र 3वर्ष 1मा 22दि	
गुरु		29:12:11	मिथु	सूर्य	वृष	08:44:04	गुरु	
03/03/2011		15:34:45	सिंह	चंद्र	कन्या	19:08:25	16/07/2019	
03/03/2027		27:18:16	मिथु	मंगल	कर्क	04:52:05	16/07/2035	
गुरु	20/04/2013	14:40:50	कर्क व	बुध	मेष	15:47:02	गुरु	02/09/2021
शनि	01/11/2015	21:56:43	वृष	गुरु	कर्क	14:04:06	शनि	15/03/2024
बुध	06/02/2018	14:59:09	वृष	शुक्र	मिथु	22:48:09	बुध	21/06/2026
केतु	13/01/2019	27:43:07	कन्या	शनि व	मक	13:03:42	केतु	28/05/2027
शुक्र	13/09/2021	10:03:20	मक	राहु व	धनु	26:22:00	शुक्र	26/01/2030
सूर्य	02/07/2022	10:03:20	कर्क	केतु व	मिथु	26:22:00	सूर्य	14/11/2030
चन्द्र	01/11/2023	25:47:18	मिथु	हर्ष व	धनु	19:33:56	चन्द्र	15/03/2032
मंगल	07/10/2024	27:56:13	कन्या	नेप व	धनु	22:42:15	मंगल	19/02/2033
राहु	03/03/2027	28:44:15	कर्क	प्लूटो व	तुला	24:51:44	राहु	16/07/2035

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:12:44 चित्रपक्षीय अयनांश 23:44:27

लग्न-चलित

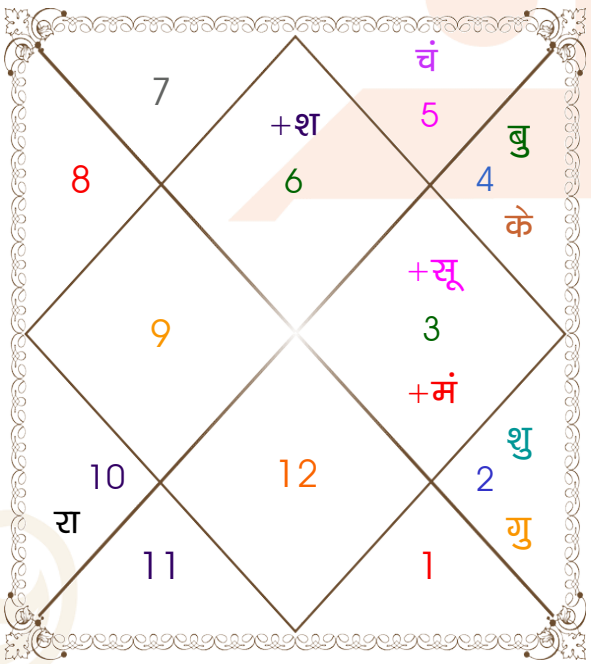

लग्न-चलित

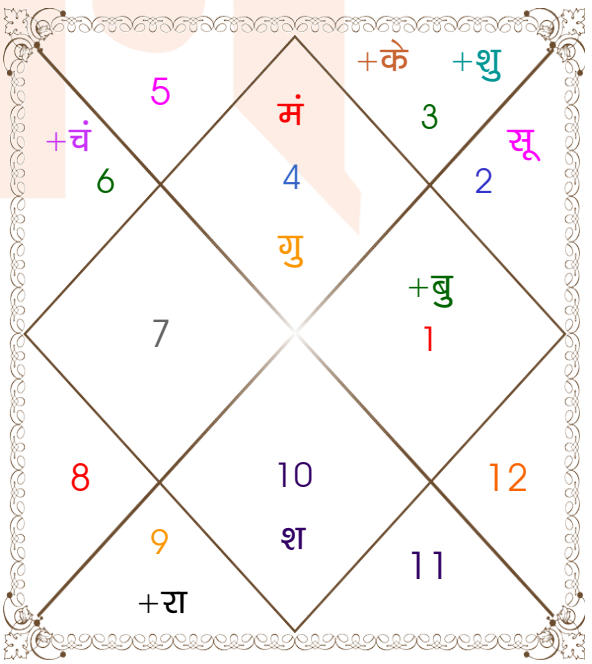

Narayan Jyotish Sanathan
+919868145834
mishrashivkant@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.50		

कुल : **21.5 / 36**

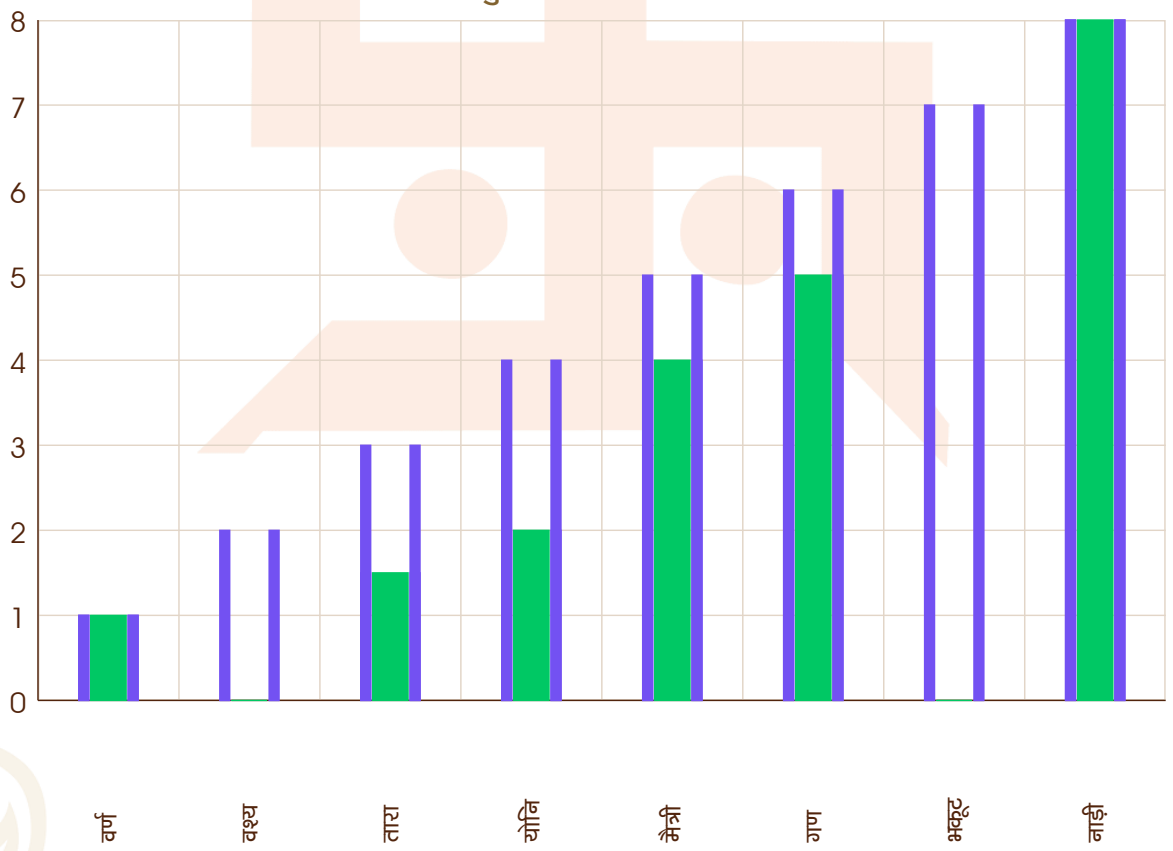

Narayan Jyotish Sanathan
+919868145834
mishrashivkant@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतर्णैपअ झ्ंदज डपीतं का वर्ग मूषक है तथा Ms.surjani narjinari का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतर्णैपअ झ्ंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतर्णैपअ झ्ंदज डपीतं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms.surjani narjinari मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढष्;श्ध्डत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल Ms.surjani narjinari कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.surjani narjinari कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि डतर्णैपअ झ्ंदज डपीतं कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतर्णैपअ झ्ंदज डपीतं तथा Ms.surjani narjinari में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

डतणेपअ झंदज डपेीतं का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.surjani narjinari का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश Ms.surjani narjinari आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही Ms.surjani narjinari की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

डतणेपअ झंदज डपेीतं का वश्य वनचर है एवं Ms.surjani narjinari का वश्य द्विपद (मनुष्य) है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु होता है तथा जब भी मौका मिलता है वनचर मनुष्य पर आक्रमण कर उसे मारकर खा जाता है। इसी प्रकार वैवाहिक संबंधों में भी दोनों एक-दूसरे के लिए शत्रु साबित होंगे। डतणेपअ झंदज डपेीतं और Ms.surjani narjinari के के बीच अक्सर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता रहेगा। दोनों समय समय पर एक दूसरे का अपमान करते रहेंगे। एक दूसरे की परवाह भी कम ही करेंगे। दोनों अक्सर लड़ाई-झगड़ा, एक-दूसरे पर वार एवं अपमान करते रहेंगे। जिससे परिवार की सुख-शांति भंग हो सकती है। ऐसी स्थिति में संतान भी अति क्रोधी, असामाजिक एवं अमानवीय व्यवहार करने वाले हो सकती है।

तारा

डतणेपअ झंदज डपेीतं की तारा मित्र तथा Ms.surjani narjinari की तारा विपत है। Ms.surjani narjinari की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान डतणेपअ झंदज डपेीतं एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि Ms.surjani narjinari का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

डतणेपअ झंदज डपेीतं की योनि मूषक है तथा Ms.surjani narjinari की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच

आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में डतर्णेपअ झंदज डपीतं का राशि स्वामी Ms.surjani narjinari के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.surjani narjinari का राशिस्वामी डतर्णेपअ झंदज डपीतं के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

डतर्णेपअ झंदज डपीतं का गण मनुष्य तथा Ms.surjani narjinari का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में Ms.surjani narjinari सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर डतर्णेपअ झंदज डपीतं व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण डतर्णेपअ झंदज डपीतं अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

डतर्णेपअ झंदज डपीतं से Ms.surjani narjinari की राशि द्वितीय भाव में स्थित है तथा Ms.surjani narjinari से डतर्णेपअ झंदज डपीतं की राशि द्वादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके कारण डतर्णेपअ झंदज डपीतं गुस्सैल एवं लड़ाकू स्वभाव के हो सकते हैं। साथ ही शारीरिक रूप से कमजोर तथा अपव्ययी होंगे। Ms.surjani narjinari समझौतावादी, सौम्य एवं दयालु प्रवृत्ति की होंगी तथा अपने कर्त्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को आसानी से बखूबी निभाती रहेंगी तथा बचत भी करती रहेगी। दूसरी ओर डतर्णेपअ झंदज डपीतं शाहखर्च, लापरवाह एवं अय्याशी में पैसे बर्बाद करने वाले हो सकते हैं।

नाड़ी

डतर्णेपअ झंदज डपीतं की नाड़ी मध्य है तथा Ms.surjani narjinari की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

डतर्णेपअ झंदज डपीतं की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त सिंह तथा Ms.surjani narjinari की राशि भूमितत्व युक्त कन्या है। पृथ्वी एवं अग्नितत्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण डतर्णेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari की स्वभाव में असमानता रहेगी फलतः परस्पर संबधों में मधुरता का अभाव होगा तथा मतभेद एवं विरोध का भाव बना रहेगा। अतः मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

डतर्णेपअ झंदज डपीतं की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा Ms.surjani narjinari की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र एवं सम राशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से आप यत्नपूर्वक स्वभावगत मतभेदों को दूर करने के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा किंचित मात्रा में सुख के क्षण प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। ये दोनो एक दूसरे के प्रति समर्पण सम्मान एवं सहयोग के भाव को प्रदर्शित करेंगे।

डतर्णेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से डतर्णेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विरोध का भाव उत्पन्न होगा तथा यदा कदा डतर्णेपअ झंदज डपीतं के उग्रता के कारण पारिवारिक शांति भंग होगी। साथ ही डतर्णेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari दोनों के मन में श्रेष्ठता की भावना का प्रादुर्भाव होगा फलतः संबधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। यदि डतर्णेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari सहनशीलता एवं बुद्धिमता से कार्य ले तो इसमें सफलता की आशा की जा सकती है।

डतर्णेपअ झंदज डपीतं का वश्य वनचर तथा Ms.surjani narjinari का वश्य मानव है। इन दोनों के मध्य नैसर्गिक भिन्नता तथा शत्रुता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा। साथ ही मानसिक शारीरिक तथा भावनात्मक स्तर पर भिन्नता रहेगी तथा दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

डतर्णेपअ झंदज डपीतं का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms.surjani narjinari का वर्ण वैश्य है। अतः डतर्णेपअ झंदज डपीतं साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगे जबकि Ms.surjani narjinari की प्रवृति धनार्जन के प्रति रहेगी एवं व्यापारिक बुद्धि से कार्य कलापों को सम्पन्न करके आर्थिक सुदृढ़ता प्रदान करेंगी।

धन

डतर्णेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari की तारा परस्पर सम है। अतः इनकी आर्थिक स्थिति पर तारा का प्रभाव विशेष शुभ या अशुभ नहीं रहेगा। लेकिन इनकी राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती हैं जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है तथा

आर्थिक स्थिति पर इसका विशेष दुष्प्रभाव पड़ता है। परन्तु मंगल का आर्थिक क्षेत्र पर प्रभाव सम रहेगा। अतः सामान्यतया डतणैपअ ङ्मंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari समृद्ध एवं सुख संसाधनों से युक्त रहेंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से Ms.surjani narjinari की प्रवृति अधिक एवं अनावश्यक व्ययशील रहेगी तथा भौतिक साधनों पर अनावश्यक व्यय करेंगी। साथ ही डतणैपअ ङ्मंदज डपीतं भी जुए या अन्य व्यसनों से अधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः आर्थिक स्थिति की सुदृढ़ता के लिए डतणैपअ ङ्मंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari को अपनी ऐसी प्रवृतियों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

डतणैपअ ङ्मंदज डपीतं की नाड़ी मध्य तथा Ms.surjani narjinari की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से डतणैपअ ङ्मंदज डपीतं रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबंधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए डतणैपअ ङ्मंदज डपीतं को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से डतणैपअ ङ्मंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से डतणैपअ ङ्मंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त डतणैपअ ङ्मंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Ms.surjani narjinari का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Ms.surjani narjinari के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Ms.surjani narjinari सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा डतणैपअ ङ्मंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्य पि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी

आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार डतर्णेपअ झंदज डपीतं और Ms.surjani narjinari का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Ms.surjani narjinari के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms.surjani narjinari के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms.surjani narjinari अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms.surjani narjinari के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

डतर्णेपअ झंदज डपीतं के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में डतर्णेपअ झंदज डपीतं के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण डतर्णेपअ झंदज डपीतं के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा डतर्णेपअ झंदज डपीतं भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।